R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 113 | लखीमपुर–खीरी, बुधवार 11 सितम्बर 2024 | पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 sangyandristinewspaper@gmail.com website-Sangyannews.com twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का बयान, सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा सकुशल सम्पन्न– सीएम, 6 महीने के अंदर 40,000 भर्तियां की जाएगी– सीएम, यूपीएस एसएससी के माध्यम ये भर्तियां की जाएंगी–सीएम योगी, युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया से नौकरी मिल रही सीएम, शिक्षा के क्षेत्र में भी हजारों पदों पर भर्ती होगी–सीएम।

लखनऊ– यूपी में 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला, शलभ माथुर आईजी स्थापना लखनऊ बनाए गए, प्रभाकर चौधरी आईजी अलीगढ़ रेंज बनाए गए, राजेश एस एसपी शाहजहांपुर बनाए गए, पै सुधा सिंह को फिर मिली महत्वपूर्ण तैनाती, सुधा सिंह अब एसएसपी झांसी बनाई गईं, यशवीर सिंह एसपी रायबरेली बने, सिद्धार्थ शंकर मीणा डीसीपी प्रयागराज बनाए गए, चारू निगम को गाजियाबाद पीएसी में सेनानायक , अपर्णा गुप्ता डीसीपी लखनऊ बनाई गईं, अशोक मीणा एसपी सोनभद्र बनाए गए, दीपक भूकर एसपी उन्नाव बनाए गए, अभिषेक अग्रवाल डीसीपी आगरा बनाए गए, कृष्ण कुमार एसपी संभल बनाए गए, कुलदीप गुनावत डीसीपी प्रयागराज बनाए गए, अभिजीत शंकर औरैया के एसपी बनाए गए, पलाश बंसल महोबा के एसपी बनाए गए, अभिनव त्यागी गोरखपुर में एएसपी बने, अमृत जैन प्रभारी एएसपी अलीगढ़ बने।

अमेठी– सांसद किशोरी लाल शर्मा आज अमेठी दौरे पर, केंद्रीय कार्यालय गौरीगंज में जन समस्याओं को सुना, 'मैं लोगों की समस्याओं को सुनने आया हूं सांसद, लोगों ने सांसद को अपनी समस्याएं बताईं, किशोरी लाल शर्मा ने लोगों को दिया आश्वासन, समस्याओं का समाधान करने का दिया आश्वासन।

आगरा– दो दिन तक चलने वाला चिंतन शिविर हुआ समाप्त, शिविर के समाप्ति के बाद मंत्री ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, देश के 29 राज्यों के मंत्री शामिल हुए–वीरेंद्र कुमार, एक एक योजना पर चर्चा की गई– मंत्री वीरेंद्र कुमार ।

सिद्धार्थ नगर– अपना दल एस विधायक विनय वर्मा धरने पर बैठे, एसपी प्राची सिंह को हटाने की मांग को लेकर धरना, दलित उत्पीड़न पर कार्रवाई न करने का लगाया आरोप, शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा बेमियादी धरने पर हैं, हालांकि उनकी अपनी पार्टी ने धरने में सपोर्ट नहीं दिया, प्रदेश अध्यक्ष ने धरने से पार्टी को अलग कर लिया है।

सहारनपुर– रिटायर्ड फौजी ने अधिकारियों से लगाई इंसाफ की गुहार, रिटायर्ड फौजी शाहिद ने नगर निगम पर लगाया आरोप, प्लॉट पर नगर निगम ने जबरन किया नाले का निर्माण, जिसको लेकर लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे पीड़ित अधिकारियों से इंसाफ न मिलने पर मृत्युदंड मांग रहा सहारनपुर के खाताखेड़ी थाना क्षेत्र का मामला।

सुप्रीम कोर्ट ने दी थी 5 बजे की डेडलाइन, काम पर नहीं लौटे आरजी कर अस्पताल के डॉक्टर

कोलकाता। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने शाम 5 बजे तक ड्यूटी पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अवज्ञा की। मांगें पूरी होने तक डॉक्टर्स काम पर नहीं लौटेंगे। लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करने के एक सप्ताह बाद, सैकड़ों जूनियर डॉक्टरों ने आज स्वास्थ्य भवन की ओर मार्च किया और आर जी कर अस्पताल में रेप एवं हत्या की पीड़िता डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की। इसके साथ ही प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने मामले में कोलकाता के पुलिस आयुक्त एवं कई स्वास्थ्य अधिकारियों के इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शनकारी डॉक्टर पिछले सप्ताह लालबाजार में रीढ़ की हड्डी का मॉडल लेकर गए थे। इस बार प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने साल्ट लेक के सेक्टर–5 में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय की ओर मार्च करते हुए झाड़ू और मस्तिष्क का मॉडल दिखाया। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का उद्देश्य राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को 'साफ' करना और डॉक्टरों की दुर्दशा के बारे में शीर्ष अधिकारियों को 'सोचने' के लिए मजबूर करना है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए स्वास्थ्य भवन के प्रवेश द्वार पर पुलिस टुकड़ी तैनात की गई है और बैरिकेड लगाए गए हैं।

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने की ये 5 मांगें–प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने अपनी 5 मांगों को स्वीकार करने के लिए राज्य सरकार को मंगलवार शाम पांच बजे तक का समय दिया था, जिसमें कोलकाता पुलिस आयुक्त, राज्य स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक (डीएचई) और स्वास्थ्य सेवा निदेशक (डीएचएस) का इस्तीफा शामिल है। ऐसा न करने पर उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य भवन के सामने धरना देंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने आंदोलनकारी डॉक्टरों को राज्य सरकार की प्रतिकूल कार्रवाई से बचने के लिए मंगलवार शाम पांच बजे तक ड्यूटी पर लौटने के लिए कहा था।

9 अगस्त को अस्पताल में मिला था महिला डॉक्टर का शव– कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला डॉक्टर का शव मिलने के बाद, 9 अगस्त की शाम से जूनियर डॉक्टरों ने प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में काम करना बंद कर दिया है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। राज्य सरकार ने दावा किया है कि जूनियर डॉक्टरों के काम नहीं करने के कारण 23 मरीजों की जान चली गई है और कई का इलाज नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आंदोलनकारी डॉक्टरों से उनकी शिकायतें दूर करने के लिए सीधी बातचीत की पेशकश की थी। ममता ने कहा था, ''सुप्रीम कोर्ट ने आपसे ड्यूटी पर लौटने का अनुरोध किया है, और मैं उस अनुरोध को दोहराती हूं। अगर आपको कुछ कहना है, तो आपका हमेशा स्वागत है। आप 5 से 10 सदस्यों की एक टीम बना सकते हैं और मुझसे मिल सकते हैं।''

यूएस प्रेसीडेंट इलेक्शन के सेमीफाइनल का अखाड़ा तैयार, ट्रंप अे हैरिस के इस डिबेट का चुनाव पर क्या असर पड़ेगा

अमेरिका। अमेरिका में अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा? 5 नवंबर 2024 को अमेरिका में वोटिंग होने वाली है। रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिल के बीच टक्कर है। जब फाइनल वोटिंग होगी तब होगी, लेकिन उससे पहले सेमीफाइनल का अखाड़ा तैयार है। इस अखाड़े का नाम प्रेसिडेंशियल डिबेट है। इसमें राष्ट्रपति चुनाव के प्रमुख उम्मीदवार आपस में बहस करते हैं। अलग अलग मुद्दों पर अपनी राय रखते हैं। जनता को अपनी यूएसपी बताते हैं। जो जनता को जितना कन्विंस कर पाया उसके जीतने के चांस उतने बढ़ जाते हैं। 10 सितंबर को अमेरिकी चुनाव की दूसरी प्रेसिडेंशियल डिबेट होने वाली है। मेजबानी का अधिकार अमेरिकन ब्रॉकास्टिंग कंपनी एबीसी न्यूज के पास है। उनके दो एंकर डेविड मुइर और लिन्से डेविस डिबेट को मॉडरेट करेंगे। ये डिबेट एबीसी न्यूज पर 10 सितंबर की रात 9 बजे यानी भारत में 11 सितंबर को सुबह के साढ़े छह बजे लाइव होगी।

डिबेट का चुनाव पर क्या असर– हैरिस यह दर्शाना चाहती हैं कि वह बाइडन की तुलना में ट्रंप के खिलाफ डेमोक्रेटिक पक्ष को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकती हैं। वहीं, ट्रंप उपराष्ट्रपति को संपर्क से दूर उदारवादी के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। हैरिस उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा देने वाली पहली महिला, अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की व्यक्ति हैं। रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार उनके खिलाफ नस्ली और लैंगिक रूढ़ियों का सहारा लिया है, जिससे उनके सहयोगी निराश हैं जो चाहते हैं कि ट्रंप इसके बजाय हैरिस के साथ नीतिगत मतभेदों पर ध्यान केंद्रित करें।

पहली डिबेट में ट्रंप ने मारी थी बाजी–पहली डिबेट 27 जून को सीएनएन पर डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच हुई थी। इसमें बाइडेन की कमजोरी खुलकर बाहर आ गई थी। ट्रंप ने एकतरफा अंदाज में बाइडेन को पटखनी दी थी। इसी के बाद बाइडेन पर प्रेसिडेंशियल रेस से हटने का दबाव बढ़ा। आखिरकार जुलाई में उनको नाम वापस लेना पड़ा। रेस से हटने के बाद बाइडेन ने कमला हैरिस का नाम आगे किया। अगस्त में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में हैरिस के नाम पर मुहर लगी। जिसके बाद हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार बन गईं।

हैरिस ने की पूरी तैयारी–हैरिस ने पिछले पांच दिन में ज्यादातर समय पेनसिल्वेनिया में बहस की तैयारियों में बिताया है। बहस से पहले उन्होंने रेडियो होस्ट रिकी स्माइली से कहा कि वह इस बात पर काम कर रही हैं कि अगर ट्रंप झूठ बोलते हैं तो उन्हें कैसे जवाब देना है। उन्होंने कहा कि वह कितना नीचे गिरेंगे, इसकी कोई सीमा नहीं है।

डीएम ने अफसरों संग परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं

अनुपस्थित शिक्षक–अनुदेशक का वेतन व मानदेय रोका,अनुपस्थित होने पर हुई कार्रवाई सब्जीयुक्त दाल ना बनवाने पर प्रधानाध्यापक को फटकारा, स्पष्टीकरण तलब

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। मंगलवार सुबह डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों की टीम संग ब्लॉक नकहा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय हर्रौवा व बाजूडीह और संविलियन विद्यालय सिरैंचा सहित आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर पठन–पाठन की गुणवत्ता, साफ–सफाई, छात्र–छात्राओं, शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बीएसए प्रवीण तिवारी, डीपीआरओ विशाल सिंह, डीपीओ –आईसीडीएस भारत प्रसाद, बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी मौजूद रहे।

सर्वप्रथम डीएम 08.40 बजे प्राथमिक विद्यालय हर्रौवा पहुंची, जहां उन्होंने रसोई कक्ष देखा, जहां रसोईया द्वारा दाल–चावल तैयार किया जा रहा था। सब्जीयुक्त दाल न बनाये जाने पर नाराजगी जाहिर की। पूछने पर बताया कि जब सब्जी मिल जाती है, तब डाल देते हैं। सब्जीयुक्त दाल न बनाए जाने पर प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश वर्मा का स्पष्टीकरण तलब किया। निरीक्षण के दौरान बिना सूचना के सहायक अध्यापक शिल्पी अग्रवाल अनुपस्थित मिली, डीएम ने उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों की किताबें देखी और वाटिका पुस्तक पढ़वाकर रीडिंग स्किल भी जांची। निरीक्षण में पाया कि शिक्षकों को कक्षा व विषय आवंटित नहीं है। निर्देश दिए कि शिक्षकों को कक्षा और विषय आवंटित किया जाए।

बच्चों से संवाद के दौरान डीएम ने छात्र आदेश राज के हाथ में स्किन संबंधी दिक्कत दिखी, तत्काल चिकित्सक से इलाज कराने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जाना कि स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम कब आई थी। सीएमओ को निर्देशित किया कि आरबीएसके टीम नियमानुसार स्कूलों का विजिट अवश्य करें। डीएम ने उपस्थिति पंजिका से बच्चों की उपस्थिति का सत्यापन भी किया। इस दौरान 110 नामांकित छात्रों के सापेक्ष 70 बच्चे मौजूद मिले।इसके बाद डीएम 09.02 बजे पीएस बाजूडीह पहुंची, जहां उन्होंने रसोईकक्षा देखा, रसोईया रामप्यारी लौकी डालकर दाल तैयार करती मिली। डीएम ने रसोई कक्ष में साफ सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने को कहा। क्लास में पहुंचकर बच्चों की पुस्तक देखी। निर्देश दिए कि क्लास में जिस विषय को पढ़ाया जा रहा तो शिक्षक सुनिश्चित करें कि उस दौरान बच्चे उस विषय की किताब अवश्य खोल कर बैठे। उन्होंने बच्चों से पुस्तक भी पढ़वाई। कक्षा चार की क्लास में शिक्षिका अर्चना सिंह मैथ्स पढ़ाती मिली। डीएम ने बच्चों से जाना कि मैथ्स की बुक सबके पास है। बच्चों ने पुस्तक के हाथ में उठाकर पुस्तक होने की पुष्टि की। बच्चों की गणित में समझ को भी जांचा, परखा। निर्देश दिए की कमजोर बच्चों को आगे बैठकर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानाध्यापक से जाना कि सफाई कर्मी आते हैं। जवाब मिला मैम कोई फिक्स दिन नहीं है मगर आते है।

इसके बाद करीब 09.20 बजे डीएम संविलियन विद्यालय सिरैंचा पहुंची, जहां तीन दिनों से बिना सूचना के अनुदेशक अभिषेक जायसवाल अनुपस्थित मिले। इस पर मानदेय बाधित करने के निर्देश दिए। कक्षा 06 की क्लास में पीछे की सीट पर बैठी छात्र अनुष्का सिंह से पुस्तक पढ़वाई। चार बच्चे बिना यूनिफार्म के मिले। निर्देश दिए कि प्रयास किया जाए कि सभी बच्चे यूनिफॉर्म में आए। उन्होंने हर कक्षा कक्ष में जाकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। डीएम ने शिक्षिका डायरी एवं शिक्षक संदर्शिका का अवलोकन किया। उन्होंने क्लास में लगी स्मार्ट बोर्ड की क्रियाशीलता के विषय में भी बच्चों से जानकारी ली।

डीएम ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं–डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने हर्रौवा व सिरैंचा विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री पढ़ाती मिली। उपस्थित बच्चो से रंगो की पहचान जानी। यहां नन्हें–मुन्ने विद्यार्थियों से मिलकर उन्हें खूब पढ़ने और आगे बढ़ने का आर्शीवाद दिया। उन्होंने बच्चों से जाना कि उन्हें फल और दूध मिलता है। जवाब मिला जी मैम। डीएम ने केंद्र की पंजिकाओ का अवलोकन कर संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकत्री से आंगनबाड़ी केंद्र में कुल नामांकित बच्चों की संख्या, हॉट कुक, नए पंजीकरण की जानकारी भी ली।

'बांग्लादेश में भारत की वित्तपोषित परियोजनाएं जारी रहेंगी', अंतरिम सरकार के सलाहकार का बयान

बांग्लादेश। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के एक शीर्ष सलाहकार ने मंगलवार को कहा कि भारत की ओर से बांग्लादेश की मदद जारी रहेगी। भारत की ओर से वित्तपोषित परियोजनाएं काफी अहम हैं। यह देश में नए प्रशासन के तहत भी जारी रहेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त सलाहकार सलेहुद्दीन अहमद ने कहा कि बांग्लादेश यहां भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के साथ अपनी बैठक के दौरान भारत के साथ सहयोग बढ़ाने की आशा करता है। अहमद ने कहा कि पहले से ही उनकी जो परियोजनाएं हैं, वे बड़ी परियोजनाएं हैं। हम उन्हें जारी रखेंगे। जो कुछ भी हमारे पास हैं, उसे नहीं रोकेंगे और हम उन परियोजनाओं के वित्तपोषण और कार्यान्वयन के बारे में चर्चा करेंगे।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के वित्तीय सलाहकार की यह टिप्पणी भारत की परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन को लेकर चिंताओं के बीच आई है। इन परियोजनाओं के लिए भारत बांग्लादेश को ऋण मुहैया करा रहा है। पिछले महीने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से इस पर चिंता जताई जा रही थी। भारतीय उच्चायुक्त वर्मा ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली अपनी किसी भी ऋण सुविधा को नहीं रोका है, क्योंकि वे बड़ी परियोजनाएं हैं। परियोजनाएं जारी हैं और मूल रूप से बहुत बड़ी परियोजनाएं हैं और अलग–अलग स्थानों पर स्थित हैं। इसलिए, ठेकेदार परियोजनाओं को शुरू करने के लिए वापस आएंगे। बैठक में दोनों पक्षों ने मौजूदा द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

बाढ़ में गुडवर्क के लिए मिली शाबाशी, डीएम ने किया सम्मानित

एसडीएम, तहसीलदार, आरआई, लेखपाल, गोताखोर, नाविक, आपदा मित्र को मिला सम्मान

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मंगलवार की शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में बाढ़ के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियो, वॉलिंटियर्स को प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम हुआ। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम संजय कुमार सिंह की मौजूदगी में एसडीएम (पलिया) कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार (धौरहरा) आदित्य विशाल, तहसील निघासन के राजस्व निरीक्षक आलोक रंजन मौर्य और लेखपाल अजय कुमार, गोताखोर, नाविक धर्मपाल और मुन्ना, आपदा मित्र अंकित कुमार राज को राहत आयुक्त की ओर से उपलब्ध कराए गए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जनपद खीरी में भारी वर्षा व बाढ़ के दृष्टिगत पीड़ितों को राहत पहुँचाने हेतु सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने तथा राहत कार्य में विशिष्ट योगदान देने हेतु सम्मान प्राप्त करने वालों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। कहा कि आशा ही अपितु पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप इसी प्रकार उत्कृष्ट क्षमता का परिचय देते हुए अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन

करते रहेंगे। बताते चले कि बाढ़ प्रबंधन व राहत कार्यो में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों, वालन्टियर्स आदि को उनकी उत्कृष्ट सेवा के मूल्यांकन के आधार पर राहत आयुक्त की ओर से प्रशंसा पत्र भेजा गया।

सम्पादकीय

राहुल गांधी की बातों से परेशानी क्यों

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भाजपा एक बार फिर हमलावर हो गई है। राहुल गांधी इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। इस दौरान टेक्सास प्रांत के डलास शहर में भारतीय समुदाय और टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए जो विचार राहुल गांधी ने रखे, वो भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं। लिहाजा एक बार फिर राहुल गांधी को देशविरोधी, देशद्रोही, भारत का अपमान करने वाला, आदि कहा जा रहा है। दरअसल श्री गांधी ने अपने संबोधनों में भारत के विचार को केंद्र में रखते हुए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु उठाए। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों पर भी टिप्पणी की, यही बात भाजपा नेताओं को इतनी खटक गई कि देश में निर्वाचित सांसद और नेता प्रतिपक्ष को देशविरोधी कहा गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन में कहा कि उनकी भूमिका भारतीय राजनीति में प्रेम, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को स्थापित करने की है। उन्होंने माना कि लगभग सभी दलों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव नजर आता है और इसे ही दूर करने में अपनी भूमिका को उन्होंने रेखांकित किया। उन्होंने धर्म, जाति, समुदाय, राज्य या भाषा के बंधनों से परे सभी से प्रेम की जरूरत पर बल दिया, इसके साथ ही कहा कि हर उस व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए जो भारत का निर्माण करने का प्रयास कर रहा है। विनम्रता केवल दूसरों में नहीं, बल्कि स्वयं में होनी चाहिए। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि, आरएसएस मानता है कि भारत एक विचार है। हम मानते हैं कि भारत विचारों की विविधता वाला देश है। हम अमेरिका की तरह मानते हैं कि हर किसी को सपने देखने का अधिकार है, सबको भागीदारी का मौका मिलना चाहिए और यही लड़ाई है। राहुल गांधी ने भारतीय परंपरा के मूल्यों के साथ–साथ संविधान की महत्ता को स्थापित किया, क्योंकि संविधान भी एक की नहीं, अनेकता में एकता की बात करता है। लेकिन भाजपा ने इस भाषण पर राहुल गांधी को घेर लिया। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि आरएसएस को जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने पड़ेंगे। कोई देशद्रोही आरएसएस को नहीं जान सकता। जो विदेशों में जाकर देश की निंदा करे वो आरएसएस को नहीं जान सकता। लगता है कि राहुल गांधी भारत को बदनाम करने के लिए ही विदेश जाते हैं। भाजपा सांसद के इस तिलमिलाहट भरे प्रत्युत्तर से कुछ सवाल उपजते हैं। जैसे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई किसी टिप्पणी पर संघ की ओर से बयान आने से पहले ही भाजपा क्यों जवाब दे रही है। राहुल गांधी अगर भारत में कई विचारों के सम्मान की बात करते हैं, तो भाजपा को यह बात क्यों नागवार गुजर रही है। क्या भाजपा यह मानने लगी है कि भाजपा और संघ का साथ देना देशप्रेम है और अभिव्यक्ति की आजादी के अंतर्गत अपने विचारों को प्रकट करना देशविरोधी गतिविधि है। बहरहाल, राहुल गांधी ने टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत के दौरान बेरोजगारी दूर करने के जो तरीके बताए या भारत में उत्पादन गति धीमी होने और चीन के इस मामले में आगे निकलने के जो बयान दिए, उन पर भी भाजपा ने आरोप लगाया कि ये भारत का अपमान है। भाजपा की बेचैनी उस वक्त और खुलकर सामने आ गई, जब ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को अधूरे संदर्भ के साथ भाजपा ने पेश किया। दरअसल राहुल गांधी के बारे में सैम पित्रोदा ने कहा कि उनके पास एक दृष्टिकोण है। हालांकि भाजपा ने करोड़ों रुपये खर्च किए राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए, लेकिन वो पप्पू नहीं हैं, जैसा भाजपा बताती है। राहुल काफी शिक्षित इंसान हैं, उन्हें मुद्दों की गहरी समझ है, वे काफी पढ़े–लिखे व्यक्ति हैं और वे एक रणनीतिकार हैं। जाहिर है सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ की और बताया कि भाजपा ने उनकी छवि जैसी बनाई है, वो वैसे नहीं हैं। लेकिन भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसी बयान के एक अंश को साझा कर तंज कसा कि कल्पना कीजिए कि कोई राहुल गांधी का परिचय इस तरह से करा रहा हो कि वो पप्पू नहीं हैं और सैम पित्रोदा ने यह कर दिखाया है। इस टिप्पणी के साथ भाजपा ने अधूरी बातों के साथ भ्रामक जानकारी संभवतरू इस उद्देश्य से फैलाई कि इसका लाभ उसे मिलेगा। लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में जितना आसान गलत बातों को प्रसारित करना है, उतना ही आसान तथ्यों की पड़ताल करना भी है। लिहाजा दूध का दूध और पानी का पानी होने में वक्त नहीं लगता। इससे पहले चुनावों के वक्त भी सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी को लेकर भाजपा हमलावर हुई थी, जब उन्होंने कहा था कि श्हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहां पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज जैसे दिखते हैं, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता. हम सब भाई–बहन हैं। इस टिप्पणी को नस्लभेदी कहा गया, जबकि सैम पित्रोदा ने बताया था कि भारत में रंग–रूप की विविधता होने पर भी कोई फर्क नहीं है, सभी भारतीय एक हैं। दरअसल अंग्रेजी में कही बातों का जब अनुवाद होता है, तो कई बार सही संदर्भ में बातें सामने नहीं आ पाती। लेकिन अभी भाजपा जिस तरह से राहुल गांधी को घेर रही है, उसमें ऐसा लगता है कि भाजपा को समझ तो सब आ रहा है, लेकिन फिर भी वह कांग्रेस और राहुल गांधी को घेरने के लिए इस तरह के मिथ्या आरोप लगा रही है। हालांकि लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा को अपनी राहुल विरोधी इस रणनीति को बदल लेना चाहिए। जितनी बार राहुल गांधी पर भाजपा सवाल उठाएगी, उससे कहीं ज्यादा सवाल भाजपा के शासनकाल और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर उठेंगे। क्योंकि श्री गांधी जनता से जुड़े मुद्दों पर ही बात कर रहे हैं, और सवाल कर रहे हैं। फिर चाहे वह देश में करें या अमेरिका में करें।

हिंदुस्तान से लिंचिस्तान!

गोरक्षा के नाम पर, हरियाणा में फरीदाबाद में अठारह–उन्नीस साल के, बारहवीं कक्षा के छात्र, आर्यन मिश्र की हत्या की वारदात के बाद, अगर किसी को यह लग रहा हो कि कम से कम अब, गोरक्षा की आड़ में भीड़ हिंसा तथा भीड़ हत्याओं का सिलसिला थम जाएगा, तो अब उसकी यह गलतफहमी दूर हो जानी चाहिए। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि जिस कार में आर्यन था उसका तीस किलोमीटर तक गोलियां चलाते हुए पीछा करने वाले और अंततरू उसे नजदीक से गोली मारने वाले गिरोह के सरगना, अनिल कौशिश ने बाद में जब आर्यन के घरवालों के सामने अपनी गलती मानी और घटना पर पछतावा जताया, तो यह सिर्फ इसका पछतावा था कि मुसलमान के धोखे में, उनके हाथों से एक हिंदू ब्राह्मड्ढण लड़का मारा गया था! ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि पुलिस शुरूआत में सुलह–समझौते की कोशिश करते हुए, मृतक के परिजनों को इसी पर कन्विंस करने में लगी हुई थी कि आर्यन की मौत एक गलती थी और यह गलती करने वाले भले लोगश्श थे, जिनकी शराफत का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि वे खुद ही गलती होने की बात मान रहे थे!

और ऐसा सिर्फ इसलिए भी नहीं है कि सत्ताधारी संघ–भाजपा द्वारा नियंत्रित मीडिया द्वारा अनदेखी के जरिए, इस भयावह त्रासदी को कानून व व्यवस्था का मामूली मामला बनाने की ही कोशिश नहीं की गयी है, इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न तो शासन के किसी प्रतिनिधि ने पीड़ित परिवार की सुध लेने की जरूरत समझी थी और न ही सत्ताधारी संघ–भाजपा जोड़ी का कोई अदना नेता तक उनसे मिलने गया था। यहां तक कि पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की रुटीन घोषणा तक नहीं की गयी थी। इस हृदय विदारक कांड के किसी खास असर को लेकर किसी गलतफहमी की गुंजाइश न होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि खुद को गोरक्षक बताने वाले इस तरह के गोगुंडों का असली सामाजिक–राजनीतिक–वैचारिक सहारा, कथित संघ परिवार इस त्रासदी से जरा सा भी विचलित नजर नहीं आता है।

उल्टे स्वघोषित संघ परिवार के निर्विवाद संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस के शीर्ष नेताओं में से एक, इंद्रेश कुमार पटना में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए, मॉब लिंचिंग की भयावह घटनाओं को यह कहकर मामूली बनाते ही दिखाई दे रहे थे कि लिंचिग किसी की भी नहीं होनी चाहिएरू श्न कोई इंसान की लिंचिंग और न कोई गाय की लिंचिंग! इस तरह वह नरहत्या को गोहत्या में बराबरी ही स्थापित नहीं कर रहे थे, वास्तव में गोरक्षा के लिए, मानवहत्या को वैध सही ठहराने की कोशिश कर रहे थे। आरएसएस के आला नेता से संवाददाताओं ने जब कथित गोरक्षकों द्वारा लिंचिंग की बार–बार होती घटनाओं के बारे में पूछा, जिसके लिए विपक्षी पार्टियां भाजपा के उभार को जिम्मेदार मानती हैं, इंद्रेश कुमार का जवाब थारू श्देश और दुनिया के कई हिस्सों में लोग मांस खाते हैं। लेकिन, हमें यह मानना पड़ेगा कि गायों को लेकर लोग संवेदनशील हैं। इसलिए, हमें ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश करनी चाहिए जहां कोई गाय की लिंचिंग न हो और इंसान की लिंचिंग न हो। हमें, विविधता में एकता का आनंद मनाना चाहिए। यानी जब तक गोकशी होती रहेगी, तब तक उसके जवाब में इंसानों की लिंचिंग होती रहेगी! फिर याद दिला दें कि इंद्रेश कुमार ने यह बयान, कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की घटनाओं में मोदी–3.0 आने के साथ आयी तेजी की पृष्ठड्ढभूमि में दिया था, आर्यन मिश्रा की हत्या जिस सिलसिले की ताजातारीन कड़ी है। इससे चंद रोज ही पहले, हरियाणा में ही चरखी–दादरी में कथित गोरक्षकों ने कूड़ा बीनकर गुजारा करने वाले, दो गरीब बंगाली मुसलमान मजदूरों की दिन–दहाड़े, एक सार्वजनिक जगह पर लिंचिंग की थी, जिसमें साबिर मलिक की मौत हो गयी और असीमुद्दीन को मरा हुआ समझकर छोड़ दिया गया। इस बार मॉब लिंचिंग का बहाना कथित रूप से इसका शक था कि उन्होंने गोमांस खाया हो सकता है।

वास्तव में मॉब लिंचिंग से दो–तीन रोज पहले, कथित गोरक्षकों ने इन के खिलाफ गोमांस खाने की आशंका जताते हुए शिकायत भी की थी, जिस पर पुलिस ने उनकी झोंपड़ियों पर दबिश देकर, वहां मिला मांस इसका पता लगाने के लिए जांच के लिए भेज भी दिया था कि वह किस जानवर का मांस था। लेकिन, गड़बड़ी की संभावना के इस अत्यंत स्पष्ट संकेत के बावजूद, हरियाणा पुलिस ने सतर्कता के कोई कदम उठाने की जरूरत ही नहीं समझी। कथित गोरक्षकों ने इसे अपने मन की करने का संकेत माना और मांस के परीक्षण की रिपोर्ट का इंतजार करने के बजाए, दोनों का जबरन अपरहरण कर लिया और फिर एक सार्वजनिक स्थल पर ले जाकर, लाठी–डंडों से कातिलाना पिटाई की। पुनः, अपने संघ परिवारी नेता, इंद्रेश कुमार के ही सुर में सुर मिलाते हुए, हरियाणा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री, नायब सैनी ने एक प्रकार से गोमांस खाने के शक को, नरहत्या के लिए पर्याप्त उकसावा बता दिया। इंद्रेश कुमार की ही तरह, भाजपायी मुख्यमंत्री ने लिंचिंग की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण कहा तो जरूर, लेकिन इस दरिंदगी के लिए तथाकथित गोरक्षकों की निंदा करने की उन्होंने कोई जरूरत नहीं समझी। उल्टे सैनी ने प्रकारांतर से इस मामले में अपनी पुलिस तथा प्रशासन की घोर विफलता को एक प्रकार से स्वाभाविक ही करार देते हुए कहा कि ऐसी बातों से लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। इसीलिए, उनकी सरकार ने गोरक्षा के लिए कड़ा कानून बनाया था। इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। और अंत में यह कि गांवों में लोगों की भावनाएं भड़क जाएं, तो कौन रोक सकता है? दूसरी ओर, भाजपायी मुख्यमंत्री ने जोर देकर दावा किया कि चरखी–दादरी में जो हुआ, उसे मॉब लिंचिंग कहना गलत था। शायद सैनी के अनुसार, यह क्रिया की स्वाभाविक प्रतिक्रिया का मामला थाकृ गोमांस खाने के शक में हत्या!

हरियाणा में लिंचिंग की इन हालिया घटनाओं से और खासतौर पर चरखी–दादरी और फरीदाबाद की कथित गोरक्षकों द्वारा हत्या की घटनाएं जिस तरह, एक के फौरन बाद दूसरी हुई हैं, उनसे इसकी आशंका होना अस्वाभाविक नहीं है कि इन घटनाओं का, अगले ही महीने के आरंभ में होने जा रहे, हरियाणा के विधानसभाई चुनावों से संबंध हो सकता है। यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि हरियाणा में भाजपा को एक खासतौर पर कठिन चुनाव का सामना करना पड़ रहा है। वास्तव में इसी राजनीतिक–सामाजिक प्रतिकूलता का पूर्वानुमान कर, संघ–भाजपा जोड़ी इस राज्य में भी, जहां मुस्लिम आबादी अधिक नहीं है, अपने पीछे हिंदुओं को गोलबंद करने के लिए, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों में लगी रही है। खासतौर पर मुस्लिम आबादी के केंद्रीयकरण की पॉकेट, मेवात के इलाके को केंद्रित कर, गोरक्षा के नाम पर खासतौर पर हिंसक गिरोहों को संगठित किया गया है, जिनकी गतिविधियों ने मेवात के इलाके को देश की मॉब लिंचिंग की राजधानी ही बना दिया है। इसी सिलसिले के हिस्से के तौर पर, पिछले ही साल फरवरी में कथित गोरक्षकों द्वारा नासिर और जुनैद की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी गयी थी। बाद में अगस्त के आरंभ में नूंह में कथित ब्रज मंडल शोभायात्रा के नाम पर, बाकायदा दंगा भी कराया गया था, जिसका समापन भाजपा सरकार की पुलिस की पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण मुस्लिम–विरोधी कार्रवाई के साथ हुआ था। उधर गुड़गांव में खुले में नमाज को रोकने के नाम पर, उकसावेपूर्ण मुस्लिम विरोधी मुहिम चलायी जाती रही है। खासतौर पर किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में, ध्रुवीकरण की इन कोशिशों के खास सफल न होने के बाद अब, कथित गोरक्षकों के सहारे चुनाव से ऐन पहले एक बार फिर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का दांव आजमाया जा रहा है। लेकिन, यह सब सिर्फ चुनावी चिंताओं का मामला ही नहीं है। वास्तव में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद से, गोरक्षा के नाम पर मॉब लिंचिंग के मामलों में उल्लेखनीय तेजी आयी है। चुनाव नतीजों के बाद इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ से हुई थी, जहां ट्रक ड्राइवर तथा क्लीनर समेत तीन लोगों की कथित गोरक्षकों ने पीछा कर के हत्या कर दी थी। लेकिन बाद में, जैसाकि भाजपा–शासित राज्यों में आम है, पुलिस की जांच में यह नतीजा पेश कर दिया गया और तत्परता से सरकार द्वारा उसका अनुमोदन भी कर दिया गया कि दो मरने वाले, खुद ही पुल से नदी में कूद गए थे! गोरक्षकों ने तो उनका पीछा भर किया था! उसके बाद से विभिन्न राज्यों में कथित गोरक्षकों द्वारा मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। मॉब लिंचिंग की ये घटनाओं, जिनमें अक्सर दोषियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई नहीं होती है और तरह–तरह के बहानों से की जाने वाली बुलडोजर कार्रवाइयों आदि से मिलकर, मुसलमानों के खिलाफ एक प्रकार से राजनीतिक–चुनावी बदला लिए जाने का वातावरण बन रहा है। भाजपा के अनेक नेताओं के मुस्लिम–विरोधी बयान और मोदी एंड कंपनी का अपनी सोची–समझी चुप्पी से इस सब को बढ़ावा देना, इस वातावरण को और दमघोंटू बना रहा है। इंद्रेश कुमार के बयान से साफ है कि आरएसएस, इस सिलसिले को आगे बढ़ाने की ही कोशिश करेगा न कि टूटने देगा।

मणिपुर का जख्म

मणिपुर में भड़की हिंसा को एक साल से अधिक समय होने के बावजूद संकट के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं। राज्य सरकार के लगातार किए जा रहे दावे के बावजूद हिंसा थम नहीं रही है। आखिर कैसे कोई राज्य सरकार अपने नागरिकों के बीच लगातार जारी हिंसा, विस्थापन तथा सामान्य जीवन पर उपजे संकट के बावजूद निष्क्रिय नजर आती है। सबसे चिंता की बात यह है कि दोनों समुदायों के बीच संघर्ष का लाभ उग्रवादी तत्व उठाते नजर आ रहे हैं। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि वे अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालात पर सरकार की कमजोर पकड़ के चलते म्यांमार सीमा में आवाजाही करने वाले चरमपंथी संगठनों को मणिपुर में अपना आधार मजबूत करने का मौका मिला है। जिन पर राज्य सरकार का हिंसा पर रोक लगाने के दावे का कोई असर होता नजर नहीं आता। तभी राष्ट्रविरोधी व चरमपंथी संगठनों को मजबूत आधार मिलने लगा है। दरअसल, जिन इलाकों में ज्यादा हिंसा हो रही है, वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की उपस्थिति को बढ़ाया जाना चाहिए था। यह बेहद चिंताजनक बात है कि चरमपंथी ड्रोन के जरिये बम व राकेटों से हमले कर रहे हैं। निस्संदेह, मणिपुर की हिंसा का देश–दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जा रहा है।

ऐसे में राज्य सरकार राजधर्म का पालन करते नहीं दिखती। जिससे उसकी नीति–नीयत पर सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल, सवाल केंद्र सरकार की कारगुजारियों को लेकर भी उठ रहे हैं। सवाल पूछे जा रहे हैं कि जब मौजूदा मुख्यमंत्री हिंसा शुरू हुए सवा साल बीत जाने के बाद भी हालात पर काबू नहीं कर पा रहे हैं तो केंद्र ने उनकी जगह सक्षम व्यक्ति को मौका क्यों नहीं दिया? अपने राजनीतिक व रणनीतिक उद्देश्यों के लिये भाजपा ने विगत में कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन भी किये हैं।दरअसल, मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष भी लगातार केंद्र सरकार, खासकर प्रधानमंत्री पर हमलावर रहा है। सड़क से लेकर संसद तक प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने के मामले में सवाल उठाए जाते रहे हैं। कहा गया कि प्रधानमंत्री रूस व यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने के लिये तो प्रयासरत रहे हैं, लेकिन अपने देश में मणिपुर समस्या के समाधान के प्रति उदासीन नजर आते रहे हैं। मणिपुर के मुद्दे पर उदासीनता तथा निष्क्रियता से उग्रवादियों को जड़ें जमाने का मौका मिल रहा है। जो कालांतर देश के लिये भी घातक साबित हो सकता है, क्योंकि ये हिंसा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी असर दिखा सकती है। यही वजह है कि हाल की हिंसा के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से कदम उठाने की मांग की है। इतना ही नहीं, उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सहित एकीकृत कमान का प्रभार राज्य सरकार को सौंपने की बात भी कही है। निश्चित रूप से मैतई व कुकी समुदायों में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिये बातचीत शुरू करने की जरूरत है। सवाल उठे हैं कि राज्य में लोकसभा चुनाव में पार्टी की शिकस्त के बावजूद नेतृत्व परिवर्तन पर विचार क्यों नहीं किया गया? आखिर केंद्र व राज्य सरकार ने लंबे समय से स्थितियों को यूं ही क्यों चलने दिया? सवाल उठाये जाते हैं कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर जाने का निर्णय क्यों नहीं लिया? मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की दलील रही है कि प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री को राज्य में भेजा और अपनी चिंता का उल्लेख स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। निश्चित रूप से ऐसी कोशिशें मणिपुर की हिंसा को खत्म करने में मददगार साबित नहीं हुई हैं। खासकर पिछले दिनों चरमपंथियों द्वारा बमबारी के लिये ड्रोन व राकेट के इस्तेमाल ने सुरक्षा बलों की चिंता को बढ़ाया है। निश्चित रूप से हिंसा पर अंकुश लगाने व कानून का शासन बहाल करने के लिये केंद्र व राज्य को अपनी रणनीति में बदलाव करना चाहिए। साथ ही संघर्षरत पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की भी कोशिश नये सिरे से होनी चाहिए। निस्संदेह, मणिपुर की रक्षा के लिये प्रधानमंत्री का सीधा हस्तक्षेप अपरिहार्य ही है।

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

मेष :– आज सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी आपको देते हैं। संभव हो तो सरकार विरोधी कार्य से दूर रहिएगा। दुर्घटना से भी बचकर चलिएगा। बाहर के खानपान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य समयानुसार पूर्ण नहीं होंगे। व्यवसाय में भी संभलकर चलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

वृषभ :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

मिथुन :– आपको रुचिकर मित्रों और स्वजनों के साथ घूमने–फिरने से आनंद–उल्लास प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभूषण और भोजन का अवसर भी आपको प्राप्त होगा, परंतु मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य संभालने की ओर सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। खर्च अधिक होगा।

कर्क :– गणेशजी कहते हैं कि भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने के लिए समय अच्छा है। एकाग्रतापूर्वक कार्य करने से कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। किसी के साथ वाद–विवाद न कीजिएगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। पारिवारिक वातावरण में शांति बनी रहेगी।

सिंह :– आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। आर्थिक रूप से हानि हो सकती है। फिर भी मध्याह्न के बाद आप आर्थिक योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

तुला :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

वृश्चिक :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे। मध्याह्न के बाद स्थिति में बदलाव होगा।

धनु :– गूढ़ रहस्य और आध्यात्मिकता के प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। गणेशजी के आशीर्वाद से आपको आर्थिक रूप से लाभ होने की संभावना है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है। प्रियजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों पर आप विजय प्राप्त कर सकेंगे।

मकर :– सामाजिक रूप से ख्याति प्राप्त होने से आज व्यावसायिक, आर्थिक तथा सामाजिक रूप से लाभदायी दिन है। मध्याह्न के बाद सावधानी बरतने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य को संभालिएगा। वाहन चलाते समय भी सावधानी रखिएगा। मानसिक रूप से भी कुछ अस्वस्थता का अनुभव होगा।

कुंभ :– आपका मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होने के संकेत गणेशजी आपको देते हैं। प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा। कार्यालय में ऊपरी अधिकारी को आपके कार्य से संतोष रहेगा और पदोन्नति के योग हैं। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का आयोजन भी हो सकता है।

मीन :– व्यवसायी और व्यापारीवर्ग के लिए प्रातरूकाल का समय अनुकूल नहीं है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। ऊपरी अधिकारी तथा प्रतिस्पर्द्धियों के साथ व्यर्थ चर्चा या विवाद न करिएगा। कार्यालय का वातावरण अनुकूल होगा। अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

भिंडी का पाउडर खाने से सेहत को मिलते हैं चमत्कारिक फायदे, जानें बनाने का तरीका

हर घर में भिंडी की सब्जी जरुर बनती है। ज्यादातर लोगों को भिंडी खाना काफी पसंद होती है। वहीं, कुल लोगों को भिंडी खाना पसंद नहीं होती है। आपको बता दें कि भिंडी में कई पोषक तत्व पाए जाते है। भिंडी प्रोटीन, मिनरल्स, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट्स, आयरन और कॉपर से भरपूर होते हैं, जो आपके सेहत के लिए सबसे बढ़िया है। आइए जानते हैं भिंडी पाउडर खाने के फायदे और तरीके के बारे में।

भिंडी के पाउडर के स्वास्थ्य फायदे–

– भिंडी का पाउडर का सेवन करने से महिलाओं में ल्यूकोरिया की समस्मया को कंट्रोल करने में मदद करता है, यह महिलाओं के योनि से सफेद या पीला रंग का स्राव निकलने की समस्या होती है। भिंडी में पाए जाने वाला म्यूसिलेज से इस समस्या का इलाज करने वाले गुण होते हैं, जो महिलाओं में सूजन और स्राव को कम करता है।

– भिंडी के पाउडर में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, इसमें घुलनशील फाइबर होते हैं, जो ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करता है।

– इस पाउडर में एंटीऑक्सीडेंट और जिंक और फोलेट जैसे कई पोषक तत्व होते हैं, यह पुरुष की प्रजनन क्षमता के लिए जरुरी हैं। अगर आप इसे रेगुलर सेवन करते हैं ते स्पर्म उत्पादन में मदद कर सकता है, जिससे शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

– कई बार होता है कि डायबिटीज के कारण मरीजों में होने वाली थकान और कमजोरी को दूर करने भिंडी का पाउडर फायदेमंद है। भिंडी का पाउडर में विटामिन सी, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। यह कमजोरी से लड़ने और आपको शरीर को एनर्जी को स्तर बढ़ाने में मदद करता है।

भिंडी का पाउडर कैसे बनाएं?–भिंडी का पाउडर बनाने के लिए पहल आप भिंडी को लेकर उसे अच्छे से धो लें और पानी साफ हो जाने दें। इसके बाद भिंडी के ऊपरी हिस्से को काट कर फेंक दें और बचे हुए हिस्से को लंबाई में पतला–पतला काट लें। इसके बाद आप धूप में कटी हुई भिंडी को सुखाएं और मिक्स जार में डालकर महीन पाउडर बना लें और किसी एयर टाइट डिंबे स्टोर करें। अब इसे रोजाना सुबह खाली पेट एक चम्मच भिंडी के पाउडर का सेवन नियमित रुप से करें।

यूपी सरकार ने बड़ी संख्या में किए आईपीएस अफसरों के तबादले, कई जिलों में हुआ फेरबदलय देखें पूरी लिस्ट

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आज बड़ी संख्या में आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें लखनऊ से लेकर अलीगढ़ तक कई जिलों के अफसरों के नाम शामिल हैं। सरकार ने 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी शलभ माथुर को आईजी स्थापना मुख्यालय पुलिस महानिदेशक में ट्रांसफर किया है। इनकी तैनाती अलीगढ़ में थी। वहीं, 2010 बैच के आईपीएस प्रभाकर चौधरी की तैनाती पुलिस उपनिरीक्षक पद पर अलीगढ़ में की गई है। इनकी तैनाती अभी स्थापना मुख्यालय पुलिस महानिदेशक लखनऊ में थी।

किसे कहां मिली तैनाती–लिस्ट में आईपीएस सुधा सिंह को झांसी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पद पर ट्रांसफर किया गया। वहीं, झांसी के वर्तमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईपीएस राजेश एस. को प्रमोट कर शाहजहांपुर का एसपी बना दिया गया है। ऐसे ही आईपीएस यशवीर सिंह को रायबरेली, अशोक कुमार मीना को सोनभद्र, कृष्ण कुमार को संभल, अभीजीत आर. शंकर को औरैया, पलाश बंसल को महोबा के एसपी के तौर पर ट्रांसफर कर दिया गया है।

इन्हें भी किया गया ट्रांसफर– उन्नाव के एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। आईपीएस चारू निगम को गाजियाबाद के पीएसी का सेनानायक बनाया गया। महोबा एसपी अपर्णा गुप्ता को लखनऊ कमीश्नरेट में पुलिस उपायुक्त भेज दिया गया है। आईपीएस अभिषेक कुमार अग्रवाल को आगरा के पुलिस कमीश्नरेट का पुलिस उपायुक्त बना दिया गया है। संभल के एसपी कुलदीप सिंह गुनावत को प्रयागराज के पुलिस कमीश्नरेट में पुलिस उपायुक्त पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है।

वहीं, 2019 बैच के अभिनव त्यागी को गोरखपुर नगर को अपर पुलिस अधीक्षक और 2021 बैच के अमृत जैन को अलीगढ़ ग्रामीण का प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

आरजेडी के साथ नहीं आना तो ना आए, नीतीश कुमार के एनडीए नहीं छोड़ने पर लालू यादव की दो टूक

बिहार। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अपने इलाज के लिए मुंबई रवाना हो गए हैं। मुंबई के लिए रवाना होने से पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडियाकर्मियों ने लालू यादव से पूछा कि लगातार नीतीश कुमार कहते हैं कि उनसे दो बार गलती हो गई है, और अब तीसरी गलती नहीं करेंगे। वे अब राजद के साथ नहीं जाएंगे क्योंकि राजद ने धोखा दिया है। इसपर आप क्या कहेंगे? लालू यादव ने अपने ही अंदाज में कहा कि–ठीक है नीतीश जी नहीं आएंगे तो मत आएं। मतलब साफ है कि तेजस्वी यादव और लालू यादव, दोनों की ओर से अपने नीतीश कुमार के लिए महागठबंधन में फिलहाल नो एंट्री का बोर्ड लगा दिया गया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि वे (बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) कितनी बार कसम खा चुके हैं। बिहार की जनता तो छोड़िए किसी पत्रकार को भी यह याद नहीं होगा कि इधर आए तो कितनी बार कसम खाए और उधर गए तो कितनी बार कसम खाए? उनके कसम का कोई मतलब नहीं है। उन पर कोई विश्वास नहीं करता। हमने 2 बार उन पर दया कर दी और दोनों बार उनका वही रूप दिखा इस बार कोई मतलब नहीं। अब तो जनता ने उनके लिए दरवाजे बंद कर दिए तो हम लोग कौन होते हैं। हमारे घर पर हाथ जोड़ कर माफी मांगी सभी विधायकों के सामने माफी मांगी, सदन में भी माफी मांगी है।

तेजस्वी ने कहा कि अपनी 'आभार यात्रा' पर त्श्रक नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आज हमारी यात्रा

का पहला दिन है। हम कार्यकर्ता दर्शन और संवाद कार्यक्रम में आए हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि पार्टी के कार्यकर्ता से हम संवाद करें और उन्हें सुने। पार्टी का कैसे विस्तार किया जाए पार्टी कैसे मजबूत हो उस पर कार्यकर्ताओं की सलाह को हम सुनेंगे और उसी दिशा में काम करेंगे। कार्यकर्ता मजबूत रहेंगे तभी पार्टी मजबूत रहेगी।

ईवी मार्केट में तहलका मचाएगी मारुति! प्राइस, चार्जिंग और ड्राइविंग रेंज से मात देने की तैयारी

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग तेजी से बढ़ी है। कई विदेशी

और देसी कंपनी इस नए मार्केट में अपनी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ा रही है। टाटा और महिंद्रा भी ईवी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने में पीछे नहीं है। दोनों कंपनियों ने कई गाड़ियां बाजार में उतारी है। हालांकि, 50 फीसदी भारतीय ऑटो मार्केट में हिस्सेदारी रखने वाली मारुति अबतक इस रेस में शामिल नहीं हुई है। लेकिन अब कंपनी ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। अगले साल की शुरुआत में कंपनी अपनी पहली ईवी गाड़ी लॉन्च करेगी। कंपनी की तैयारी भारतीय उपभोक्ता के अनुरूप ईवी लाने की है, जिसमें प्राइस, चार्जिंग, सिंगल चार्ज में ड्राइविंग रेंट, रीसेल प्राइस आदि का पूरा ख्याल रखा जाएगा। ऑटो एक्सपर्ट का कहना है कि मारुति ईवी मार्केट में तहलका मचाने की पूरी तैयारी कर ली है। मारुति के आने से ईवी सेगमेंट में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

कंपनी इस तरह कर रही तैयारी– देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों के लिए एक समग्र परिवेश स्थापित करना चाहती है।

कंपनी अगले साल की शुरुआत में अपना पहला ईवी मॉडल पेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग संबंधी बुनियादी ढ़ांचा स्थापित करने तथा ऐसे मॉडल को दोबारा बेचने के अवसर जैसे अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विचार करेगी। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सत्र से इतर मारुति सुजुकी इंडिया (एएसआई) के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन व बिक्री) पार्थ बनर्जी ने पत्रकारों से कहा,'' हम न केवल उत्पाद पेश करने जा रहे हैं, बल्कि हम मूल रूप से उन ग्राहकों के लिए एक संपूर्ण परिवेश प्रदान करने जा रहे हैं जो इलेक्ट्रिक वाहन परिवार का हिस्सा बनने को तैयार हैं।''

इस 3 बिंदुओं पर हमारा फोकस– उन्होंने कहा कि ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे बड़ी चिंता बैटरी को एक बार चार्ज करने पर वाहन कितना चलेगा, इसको लेकर है। बनर्जी ने कहा,'' दूसरा, यह ईवी बुनियादी ढ़ांचा है और तीसरा यह पांच साल बाद पुराने वाहन के लिए क्या मूल्य मिलेगा।''

एससी की डेडलाइन खत्म, निर्देश के बावजूद काम पर नहीं लौटे डॉक्टर, रखी ये 5 शर्तें

नई दिल्ली। 9 अगस्त से आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के लिए न्याय की मांग कर रहे पश्चिम बंगाल भर के सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक दिन पहले निर्धारित शाम 5 बजे की समय सीमा पार करने के बाद भी मंगलवार को काम बंद रखा। इसके बजाय, हड़ताली डॉक्टरों ने मंगलवार को आरजी कर अस्पताल से स्वास्थ्य भवन के दरवाजे तक विरोध प्रदर्शन करके अपना विरोध बढ़ा दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद उन्होंने साल्ट लेक में सौंदर्य भवन के बाहर रैली निकाली और धरना शुरू कर दिया।

एक प्रदर्शनकारी डॉक्टर ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश से निराश हैं। हमने राज्य सरकार को अपनी मांगें पूरी करने के लिए मंगलवार शाम पांच बजे तक की समयसीमा दी है। जब तक सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करती तब तक काम बंद जारी रहेगा। इसलिए, काम बंद रहेगा या नहीं, यह सरकार पर

निर्भर करता है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को हड़ताली जूनियर डॉक्टरों को राज्य सरकार की प्रतिकूल कार्रवाई से बचने के लिए मंगलवार शाम 5 बजे तक अपना काम शुरू करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह निर्देश तब दिया जब पश्चिम बंगाल सरकार ने उसे आश्वासन दिया कि अगर प्रदर्शनकारी डॉक्टर काम पर लौटेंगे तो उनके खिलाफ दंडात्मक तबादलों सहित कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले की सुनवाई कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ द्वारा आंदोलनकारियों से मंगलवार शाम 5 बजे तक काम फिर से शुरू करने का आग्रह करने के तुरंत बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सोमवार को जूनियर डॉक्टरों से ड्यूटी पर लौटने का अनुरोध किया।

–डॉक्टरों की 5 मांगें कौन कौन सी
बंगाल के स्वास्थ्य सचिव का इस्तीफा
–स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक का इस्तीफा
–कोलकाता पुलिस कमिश्नर का इस्तीफा
–पश्चिम बंगाल के हर मेडिकल
–कॉलेज में पेशेंट सर्विस शुरू करना अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगवाना, मरीजों की सेवाओं में सुधार शामिल हैं

एक्सीडेंट का शिकार हुईं 'पुष्पा गर्ल 'रश्मिका मंदाना, खुद बताया अब कैसा है हाल, फैंस परेशान

मुंबई। साउथ फिल्मों की क्यूट एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना देखते ही देखते नेशनल क्रश बन गई। अपनी कई हिट फिल्मों के चलते उन्होंने बॉलीवुड में भी अपनी अलग जगह बना ली। 'पुष्पा गर्ल' के नाम से मशहूर रश्मिका मंदाना अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल तो जीतती ही हैं, इसके साथ ही वो अपनी क्यूटनेस का जादू भी चलाती हैं। रश्मिका की तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। 'एनिमल' में लीड हीरोइन का किरदार निभाने के बाद से ही वो उत्तर भारत में भी काफी पसंद की जाने लगी हैं।

रश्मिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, लेकिन बीते कुछ दिनों से वो नदारद नजर आईं। अब इसकी वजह एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ही बताई हैं। उन्होंने बताया कि वो एक हादसे का शिकार हो गईं, जिसके चलते वो घर पर ही हैं। इस खबर के सामने आने के बाद एक्ट्रेस के फैंस काफी परेशान हो गए। एक्ट्रेस ने अपनी एक क्यूट तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है और बताया कि बीते महीने उनका एक्सीडेंट हो गया था, जिसके चलते वो डॉक्टर की सलाह मानते हुए घर पर ही हैं। एक्ट्रेस ने अपने फैंस हेल्थ का ध्यान रखने के लिए भी कहा। उनका कहना है कि जिंदगी काफी छोटी है, ऐसे में कल हो या न हो। लंबे कैप्शन में उन्हों हालिया लाइफ अपडेट भी साझा की और अपने चाहने वालों का हालचाल भी पूछा है। रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हे दोस्तों, आप कैसे हैं? मुझे पता है कि मुझे यहां आए हुए या सार्वजनिक रूप से देखे हुए काफी समय हो गया है.. पिछले महीने मैं ज्यादा सक्रिय नहीं रही, इसका कारण यह है कि मेरा एक छोटा सा एक्सीडेंट हुआ था, हएक मामूली दुर्घटना और मैं ठीक हो रही थी और डॉक्टरों के कहने पर घर पर ही रह रही थी। मैं अब बेहतर हूं और सिर्फ एक बात बता दूं। मैं बहुत ज्यादा सक्रिय होने के दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरी गतिविधियों से

निपटने के लिए आपको शुभकामनाएं। हमेशा अपना ख्याल रखना अपनी प्राथमिकता बनाइए!! क्योंकि जीवन बहुत नाजुक और छोटा है और हमें नहीं पता कि हमारा कल होगा या नहीं, इसलिए हर दिन खुशियाँ चुनें!!. एक और अपडेट मैं बहुत सारे लड्डू खा रहा हूं..।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदान के फैंस उनकी हेल्थ को लेकर थोड़ा चिंतित हैं और लगाता कमेंट सेक्शन में पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या, कब और कैसे हुआ। कई उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना भी कर रहे हैं। बता दें, एक्ट्रेस अब जल्द ही 'पुष्पा 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा वो सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में भी बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर रही हैं। वहीं बात की जाए रश्मिका की पर्सनल लाइफ की तो वो इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। विजय देवर कोंडा संग उनकी केमिस्ट्री और अफेयर की अफवाहें छाई रहती हैं।

14 सितंबर को खत्म हो रही है फ्री सर्विस, अभी करें अपडेट नहीं तो लगेंगे पैसे

नई दिल्ली। आधार कार्ड देश में हर व्यक्ति की एक खास पहचान है।

सरकार ने कई वर्षों पहले देश में आधार कार्ड बनाने शुरु किए थे। एक बार आधार कार्ड बनने के बाद कई लोगों ने इस कार्ड में कोई अपडेट नहीं करवाया है। ऐसे में जिन आधार कार्ड में कोई अपडेट एक बार भी नहीं हुआ है, उन्हें अपडेट करवाना बेहद जरुरी हो गया है। जिन आधार धारकों के कार्ड 10 वर्ष से अधिक समय पहले जारी किए गए थे और तब से अपडेट नहीं किए गए हैं, उन्हें पुनः सत्यापन के लिए पहचान और पते का प्रमाण देना होगा। इन विवरणों को अद्यतन करने की अंतिम तिथि 14 सितंबर, 2024 निर्धारित की गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने कहा है कि जो लोग समय सीमा से चूक जाएंगे, उनसे कट–ऑफ तिथि के बाद किए गए किसी भी अपडेट के लिए 50 रुपये का शुल्क लिया जाएगा। आधार प्रमाणीकरण में सत्यापन के लिए आधार संख्या को जनसांख्यिकीय या बायोमेट्रिक विवरण के साथ यूआईडीएआई के केंद्रीय पहचान डेटा भंडार (सीआईडीआर) में प्रस्तुत करना शामिल है। इसके बाद यूआईडीएआई अपने सिस्टम में संग्रहीत डेटा के आधार पर विवरणों की जांच और पुष्टि करता है।

आधार को ऑनलाइन अपडेट करने के चरण–

– पोर्टल पर जाएं: उलंकींत.नपकंप. हवअ.पद पर जाएं और अपने आधार नंबर और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी का उपयोग करके लॉग इन करें।

– विवरण की समीक्षा करें: अपनी पहचान और पते के विवरण की सटीकता के लिए अपनी प्रोफाइल की जांच करें।

– जानकारी सत्यापित करें: यदि सब कुछ सही है, तो ''मैं सत्यापित करता हूं कि उपरोक्त विवरण सही हैं'' का चयन करें।

– दस्तावेज चुनें: दी गई सूची से पहचान और पते के प्रमाण के दस्तावेज चुनें।

– फाइलें अपलोड करें: चयनित दस्तावेजों को श्रच्म्ळ, च्छळ, या च्क्थ् प्रारूप में अपलोड करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि फाइल का आकार 2 डठ से कम हो।

– सबमिट करने के लिए अपडेट करें: अपनी जानकारी की समीक्षा करें और सबमिट प्रस्तुत करें।

क्या होगा यदि आप समय सीमा से चूक गए–इस वर्ष 14 सितंबर के बाद, लोगों को आधार विवरण अपडेट करने के लिए 50 रुपये का शुल्क देना होगा। मौजूदा विंडो में बदलाव निःशुल्क करने का अवसर दिया जा रहा है, इसलिए समय सीमा से पहले ही काम कर लेना उचित है।

'तमन्ना भाटिया ने बताया बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अंतर, एक्ट्रेस ने कही ये बात

मुंबई। बॉलीवुड, साउथ इंडस्ट्री और ओटीटी पर कई धमाकेदार

परफॉर्मेंस देने वाली एक्ट्रेसृ तमन्ना भाटियां अपनी पिछली रिलीज 'स्त्री 2' की सफलता के मजे ले रही हैं। हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में भी 'तमन्ना भाटिया ने काम किया है। अपने करियर में उन्होंने कई हिट डांस नंबर भी दिए हैं। अब हाल में ही तमन्ना ने राज शमनी के पॉडकास्ट पर अपने करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि उनके अनुसार दक्षिण की फिल्में ज्यादा 'रूटेड' कहानियां बताती हैं, इसलिए वे दर्शकों को इतना पसंद आती हैं।

'रूटेड' से उनका मतलब था जमीन से जुड़ी हई कहानियां। हालिया बातचीत में होस्ट ने तमन्ना से पूछा कि बॉलीवुड की फिल्में साउथ की फिल्मों से किस तरह अलग हैं तो उन्होंने जवाब में कहा, 'मैंने जो अंतर देखा है, वह यह है कि साउथ की फिल्में अपने भौगोलिक स्थानों के संदर्भ में ज्यादा बात करती हैं। मुझे लगता है कि उनकी विषय–वस्तु मुख्य रूप से वैश्विक स्तर पर इसलिए अनुवादित हो रही है क्योंकि वे मूल कहानियों को बताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'वे लोगों में से कुछ को चुनने के नजरिए से काम नहीं करते। वे बुनियादी मानवीय भावनाओं, माँ, पिता से जुड़ी भाई, बहन से बदला लेने वाली कहानियों को चुनते हैं जो अलग–अलग कहानी कहने के फॉर्मेट के जरिए बुनियादी मानवीय भावनाओं के बारे में कई और कहानियां बताती हैं। वे अपने दृष्टिकोण को जिस तरह से पेश करना चाहते हैं, उसे लेकर भी बहुत चिंतित रहते हैं। वे अलग–अलग तरह के लोगों की सेवा करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। वे सिर्फ वही बताने की कोशिश कर रहे हैं जो वे पूरी तरह से जानते हैं। मुझे लगता है कि दक्षिण के लिए यह वाकई कारगर रहा है।'तमन्ना ने यह भी कहा कि बॉलीवुड में कई बार फिल्में 'सबके मनोरंजन' के लिए बनाई जाती हैं, जो शायद कारगर न हों। उन्होंने 'लापता लेडीज' की तारीफ की और कहा कि इसमें लोगों के बारे में बहुत अच्छी बातें कही गई हैं। एक्ट्रेस के काम की बात करें तो तमन्ना को आखिरी बार 'वेद' में देखा गया था। इस फिल्म में उनका डांस नंबर था जो काफी हिट हुआ है और लोगों इस पर खूब रील्स बना रहे हैं। अब जल्द ही एक्ट्रेस तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' और वेब सीरीज 'डेयरिंग पार्टनर्स में नजर आएंगी।

वायुसेना अधिकारी ने विंग कमांडर पर बलात्कार का आरोप लगाया, आंतरिक जांच के आदेश दिए गए

जम्मू–कश्मीर। जम्मू–कश्मीर में विंग कमांडर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी हैं। घटना 2023 में नए साल की पार्टी के दौरान हुई थी। सूत्रों का कहना है कि महिला अधिकारी द्वारा बलात्कार का आरोप लगाने के बाद वायुसेना ने जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने एक महिला फ्लाइंग ऑफिसर द्वारा जम्मू–कश्मीर में वायुसेना स्टेशन के विंग कमांडर पर बलात्कार, मानसिक उत्पीड़न और लगातार पीछा करने का आरोप लगाने के बाद आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं।

सूत्रों ने इंडिया टुडे टीवी को बताया भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की अधिकारी महिला ने जम्मू–कश्मीर में वायुसेना स्टेशन के विंग कमांडर पर बलात्कार, मानसिक उत्पीड़न और लगातार पीछा करने का आरोप लगाने वाली महिला फ्लाइंग ऑफिसर के खिलाफ आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने विंग कमांडर के खिलाफ महिला अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है।

बडगाम पुलिस स्टेशन में विंग कमांडर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो अधिकार वाले पदों पर बैठे व्यक्तियों द्वारा किए गए गंभीर बलात्कार से संबंधित है। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह घटना 31 दिसंबर, 2023 की रात को ऑफिसर्स मेस में आयोजित एक नए साल की पार्टी के दौरान हुई,

जब अधिकारी ने अपने कमरे में उसका यौन उत्पीड़न किया। 2021 में इसी तरह की एक घटना में, एक आईएएफ महिला पायलट ने जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसके फ्लाइट कमांडर ने उसका यौन उत्पीड़न किया।

एक नज़र

आगरा– दो दिन तक चले चिंतन शिविर का हुआ समापन, मंत्री असीम अरुण ने भारत समाचार से की बातचीत, यूपी के लिए दस दिन में होगा एक्शन शिविर– मंत्री, 'योजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ होगी मॉनिटरिंग', एनकाउंटर के मामले पर बोले मंत्री असीम अरुण, क्या अपराधी की कोई जाति होती है मंत्री असीम अरुण, अखिलेश जी अपना नुकसान करेंगे मंत्री असीम अरुण, मेरा अनुरोध है वो इसमें राजनीति ना करें–असीम अरुण।

आगरा– आगरा में बुजुर्ग ने लगाई यमुना में छलांग, जिंदगी से परेशान होकर यमुना में लगाई छलांग, ताज सुरक्षा पुलिस ने बचाई बुजुर्ग की जान, हेड कांस्टेबल संजय ने दिया बहादुरी का परिचय, पैसों की तंगी से परेशान था बुजुर्ग, थाना ताजगंज क्षेत्र के दशहरा घाट का मामला।

मैनपुरी– बीजेपी सरकार पर सांसद डिंपल यादव ने साधा निशाना, बुलडोजर, एनकाउंटर जैसी नकारात्मक राजनीति हो रही–डिंपल, मंगेश यादव का एनकाउंटर मानवता की हत्या है डिंपल, जो न्यायिक प्रक्रिया है,उसकी भी हत्या है डिंपल यादव, आज रोजगार नहीं है, ये पूरा देश जनता है डिंपल यादव, महिलाओं की क्या स्थिति है,ये पूरा विश्व जानता है–डिंपल।

प्रयागराज– प्रो. राजेंद्र सिंह यूनिवर्सिटी का 7वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्रों को दिए मेडल, दीक्षांत समारोह में 115827 छात्रों को उपाधि दी, कैंपस के एमए की छात्रा अंजलि को दिया गोल्ड मेडल, दीक्षांत समारोह में 156 मेधावी छात्रों को मेडल मिला।

उन्नाव– उन्नाव में टीचर ने की छात्र की पिटाई, ब्लैक बोर्ड पर लिख न पाने के कारण पीटा, प्राइमरी स्कूल की अध्यापिका ने की पिटाई, 8 वर्षीय छात्र की डंडे से की जमकर पिटाई, पिता ने अध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग, बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल का मामला।

देहरादून– सीएम पुष्कर सिंह धामी से मिले गीतकार प्रसून जोशी, प्रसिद्ध अभिनेता अनुपम खेर ने भी ब्ड से मुलाकात की, राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर चर्चा की, उत्तराखंड बेस्ट शूटिंग डेस्टिनेशन बन रहा है– सीएम धामी, उत्तराखण्ड में बड़ी संख्या में हो रहा फिल्म निर्माण सीएम, प्रदेश के स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है–सीएम।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरणीय संदेश

पालिकाध्यक्षा डॉक्टर इरा श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज करवाते हुए बढ़ाया पर्यावरण प्रेमियों का उत्साह

अनिल कुमार श्रीवास्तव

लखीमपुर (संज्ञान दृष्टि)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा लखीमपुर खीरी द्वारा आज यहां शहर में स्मृति वृक्ष रोप कर पर्यावरणीय संदेश देते हुए स्थानीय लोगों से पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल की अपील की। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था लखीमपुर खीरी अध्यक्षा डॉक्टर मंजुला बरतरिया ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में संरक्षिका, पालिकाध्यक्षा डॉक्टर इरा श्रीवास्तव ने उपस्थिति दर्ज करवाते हुए पर्यावरण प्रेमियों का उत्साह बढ़ाया। भगवान चित्रगुप्त की स्तुति के साथ डॉन बॉस्को स्कूल के पास एकत्र हुए महासभा के पदाधिकारियों ने आज शाम डॉन बॉस्को स्कूल से लेकर नहरिया तक सड़क किनारे किनारे लगभग दो दर्जन छायादार, फलदार एवं औषधीय वृक्ष रोपकर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए। इस वृक्षारोपण की शुरुआत स्पंदन नर्सिंग होम की नन्ही परी के हांथो से हुई और यह वृक्ष महासभा पदाधिकारियो ने अपने पूर्वजों की स्मृति में रोपे। महासभा के इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में पालिकाध्यक्षा डॉक्टर इरा श्रीवास्तव ने कहा कि लगातार बढ़ते जा रहे तापमान को देखते हुए हमें सचेत हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा वृक्षारोपण के साथ साथ रोपित पौधों की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। पालिकाध्यक्षा ने लखीमपुर नगर के पर्यावरण प्रेमियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की। इससे पूर्व महासभा लखीमपुर खीरी अध्यक्षा डॉक्टर मंजुला बरतरिया ने स्थानीय लोगों को पर्यावरणीय संदेश देते हुए कहा कि बढ़ते हुए प्रदूषण एवं तापमान के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है और महासभा इसके लिए सतत प्रयासरत भी है, वृक्षारोपण के साथ साथ रोपित वृक्षों की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सब की है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के उपरांत महासभा की एक पर्यावरणीय बैठक स्पंदन नर्सिंग होम में संपन्न की गई। बैठक में उपस्थित जनों ने अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व हरा भरा बनाने का संकल्प भी लिया। आज के इस कार्यक्रम में चित्रांश अनूप सिंह, अमित श्रीवास्तव जुग्गी, डॉ अंजित सिंह, डॉक्टर प्रिया सक्सेना, शौर्य सक्सेना, प्रशांत लाला, सुधाकर लाला, शिवेन्द्र श्रीवास्तव, अचल श्रीवास्तव, प्रतीक श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, नरेंद्र श्रीवास्तव, वरुण श्रीवास्तव, राजेन्द्र श्रीवास्तव, कुमुद सक्सेना, आशीष सक्सेना, आदि लोग सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

परिवहन निगम के बेड़े में महाकुंभ से पूर्व शामिल होंगी 220 इलेक्ट्रिक बसें –दयाशंकर सिंह

गौरव यादव

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। परिवहन निगम जल्द ही 220 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात प्रदेश के लोगों को देने जा रही है। 100 इलेक्ट्रिक बसों की खरीदे जाने की कार्यवाही की जा चुकी है। जो प्रयागराज गाजियाबाद और आगरा क्षेत्र से संचालित होगी सयह बसें लखनऊ से अयोध्या, कानपुर, नैमिषारण्य, बाराबंकी आदि जनपदों के लिए संचालित होगी। 120 और इलेक्ट्रिक बसों को खरीदे जाने हेतु टेण्डर प्रक्रिया शुरू की जा चुकी हैं। यह बसे एकबार पूर्ण चार्ज होने पर लगभग 160 किमी0 की दूरी तय करेंगी। जिसमें 20 डबल डेकर 09 मीटर लम्बी, 2X2 सेट की, 60 सीटर 30 बसें 12 मीटर लम्बी, 2X2, 40 सीटर, 30 बसें 09 मीटर लम्बी, 2X3, 38 सीटर एवं 40 बसें 12 मीटर लम्बी 2X3 ,51 सीटर इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं।

यह जानकारी आज परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उक्त बसें पूर्ण निर्मित आधार पर क्रय की जायेगी। सभी इलेक्ट्रिक बसें पूर्णतः वातानुकूलित बसें होगी। उक्त बसें आरामदेय होने के साथ–साथ प्रदूषण मुक्त होंगी। इलेक्ट्रिक बसों से किसी भी प्रकार की हानिकारक गैस या धुओं का उत्पादन नहीं होता है। यह लोगों के स्वास्थ्य पर किसी भी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव नहीं डालता है। परिवहन मंत्री ने बताया कि क्रय की जाने वाली सभी इलेक्ट्रिक बसों में वेहकिल लोकेशन एण्ड ट्रैकिंग डिवाइस के साथ–साथ पैनिक बटन भी लगी होगी, जिससे कि लोगों को बसों की वास्तविक पोजीशन की जानकारी के साथ–साथ सुरक्षा भी मुहैया होगी।

उक्त बसों में रिवर्स कैमरा, वाई–फाई एवं सीसीटीवी कैमरे भी लगे होंगे। इसके अलावा पब्लिक एनाउन्समेंट डिवाइस से भी लैस होगा, जो ड्राइवर के पास लगा होगा। उन्होंने बताया कि परिवहन निगम महाकुंभ–2025 के पूर्व उक्त बसों के क्रय की प्रक्रिया पूर्ण कर लेगा, जिससे कि कुंभ में भी उक्त बसों का संचालन किया जा सके।

डीएम ने की कर करेत्तर की बैठक, दिए निर्देश

डीएम ने दिए राजस्व बढ़ाने के लिए निर्देश, राजस्व वसूल कर लक्ष्य को कराए पूरा

धर्मेश शुक्ला

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। मंगलवार शाम डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में राजस्व कार्यों एवं कर–करेत्तर के तहत प्राप्तियो की विभागवार, बिंदुवार मासिक समीक्षा बैठक की, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही करते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाय।

डीएम ने कहा कि सभी अधिकारियों को अपने लक्ष्य की कार्ययोजना बनाकर मूर्त रूप देने का निर्देश दिया। निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने संबंधित अधिकारियों का आह्वान करते हुए कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता क्षम्य में नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। डीएम ने वाणिज्य कर, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, विद्युत देय, नगर विकास, मंडी, वन, सिंचाई, खनन, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक लखीमपुर, गोला, विधिक माप विज्ञान के अफसरों से मासिक लक्ष्य की प्रगति, क्रमिक लक्ष्य की प्रगति गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष वृद्धि प्रतिशत की गहन समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ संजय विश्वाल, एडीएम संजय कुमार सिंह, डीईओ राजवीर सिंह, एआरटीओ, सभी एसडीएम व तहसीलदार सहित सभी संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे।

लंबित वादों का त्वरित निस्तारण करें: डीएम–डीएम ने कलेक्ट्रेट में राजस्व विभाग के गत माह की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण को लेकर निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का त्वरित निस्तारण किया जाए। एसडीएम अपने अधीनस्थ न्यायालयो की स्वयं रिव्यू करे।

स्पेशल कोर्ट ने संदीप घोष को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा, वित्तीय अनियमितत का है आरोप

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को सीबीआई अदालत ने 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन पर चिकित्सा संस्थान में अपने कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। यह मामला धन के कथित दुरुपयोग की व्यापक जांच का हिस्सा है। सीबीआई के अनुसार, घोष ने मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में अपने कार्यकाल के दौरान दो विक्रेताओं के साथ कथित तौर पर आपराधिक सांठगांठ बनाए रखी और उन्हें आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ठेके दिए। जांच से पता चला कि इन विक्रेताओं को तरजीह दी गई, जिससे सरकार को काफी वित्तीय नुकसान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी पूर्व प्रिंसिपल की जांच कर रहा है. ईडी ने वित्तीय जांच के तहत घोष के बेलियाघाटा आवास, कैनिंग में उनके फार्महाउस और रिश्तेदारों और सहयोगियों के घरों सहित 11 स्थानों पर तलाशी ली है। घोष के सहयोगी और चित्तरंजन नेशनल मेडिकल कॉलेज में डेटा एंट्री ऑपरेटर प्रसून चटर्जी को भी हिरासत में लिया गया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बायोमेडिकल अपशिष्ट निपटान घोटाले की कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित सीबीआई जांच में हस्तक्षेप करने की संदीप घोष की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। जांच का उद्देश्य वित्तीय घोटाले और डॉक्टर के दुखद बलात्कार और हत्या के बीच किसी भी संभावित संबंध का पता लगाना भी है।

उमरखेड तालुक्यातील शेकडो तरुणांचा काँग्रेस पक्षात प्रवेश

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ उमरखेड. काँग्रेस पक्षाच्या ध्येय धोरणावर आणि नेतृत्वावर आणि विचारावर विश्वास ठेवत उमरखेड तालुक्यातील बंदी भाग म्हणून गणल्या जाणाऱ्या खरबी, दराटी, कोरटा,शिवाजीनगर, वालतुर, सोयीट–घडोळी, नारळी अशा अशा अनेक गावातील शेकडो तरुणांनी काँग्रेस पक्षात प्रवेश केला. उमरखेड येथे काँग्रेस भवन जवळी आवारात पार पडला उमरखेड विधानसभा मतदारसंघातील पहिलीच वेळ आहे काँग्रेस पक्षाच्या नेतृत्वावर विश्वास ठेवून पक्षात प्रवेश केला महाराष्ट्र प्रदेश

काँग्रेस सरचिटणीस तातूजी देशमुख, जिल्हा परिषदेचे माजी बांधकाम सभापती रामभाऊ देवसरकर,महेंद्र कावळे सर गोपाल अग्रवाल,दत्तराव शिंदे, प्रेमराव वानखेडे, उमरखेड विधानसभा मतदारसंघाचे सामाजिक कार्यकर्ते साहेबराव कांबळे, आणि पदाधिकारी आणि कार्यकर्ते उपस्थित होते

भाविक भाऊ भगत हेल्प फाऊंडेशन युवा ब्रिगेडच्या वतीने महागाव येथे आढावा बैठक संपन्न

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ महागाव काल शासकीय विश्रामगृह

महागाव येथे भाविक भाऊ भगत हेल्प फाउंडेशन युवा ब्रिगेड च्या वतीने आढावा बैठक संपन्न झाली यात प्रामुख्याने फाउंडेशनचे जिल्हा तालुका व ग्रामीणचे पदाधिकारी उपस्थित होते.

भाविक भगत यांचे महागाव येथे बस स्टॉप परिसरात आगमन होताच पदाधिकार्यांनी फटाके फोडत त्यांचे स्वागत केले त्यानंतर भाविक भगत यांनी छत्रपती शिवाजी महाराज भारतरत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या प्रतिमेला हार अर्पण करून अभिवादन केले त्यानंतर क्रांतीसुर्य भगवान बिरसा मुंडा पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर यांच्या प्रतिमेला हार अर्पण करून अभिवादन केले त्यानंतर संत नरहरी सोनार संत सेवालाल महाराज व हरित क्रांतीचे प्रणेते माजी मुख्यमंत्री स्वर्गीय वसंतरावजी नाईक साहेब यांच्या प्रतिमेला हार अर्पण करून अभिवादन केले. या बैठकीत फाउंडेशनच्या माध्यमातून झालेल्या कामांचा आढावा घेण्यात आला तसेच गावातील समस्या नवयुवकांच्या हाथाला रोजगार महिला सक्षमीकरण महिला सुरक्षा आरोग्य क्षेत्रातील समस्या यावर चर्चा करण्यात आली महागाव तालुक्यातील जवळपास 80 टक्के गावातील पदाधिकारी कार्यकर्ते या बैठकीला उपस्थित होते यात भाविक भगत यांनी पदाधिकार्यांना मार्गदर्शन केले तसेच या बैठकीत महागाव तालुक्याचा मतदारसंघ आढावा पदाधिकारी व कार्यकर्त्यांनी भाविक भगत यांच्यापुढे मांडला.

सदर आढावा बैठक हि संस्थापक अध्यक्ष भाविक भगत यांच्या अध्यक्षतेखाली संपन्न झाली या बैठकीचे यशस्वी नियोजन फाउंडेशन चे कार्यकर्ते व पदाधिकारी यांनी केले.

मा. शब्बीर अहमद अन्सारी याना वक्फ बोर्ड मुद्दे वर खिदमतगार सेवाभावी संस्थांच्या वतीने निवेदन देण्यात

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ. परभणी. आला दि. 09 सप्टेंबर 2024 रोजी बी रघुनाथ सभा गृह परभणी येथे वक्फ बोर्डा संशोधान बिल विरोध व ओबीसी मुस्लिम एकता संवाद कार्यक्रम मध्ये प्रमुख पाहुणे म्हणून मा. शब्बीर अहमद अन्सारी तहरीक एक औकफ चे राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुस्लिम ओबीसी ऑर्गनाईजेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष यांच्या अध्यक्षतेखालीण झाला या कार्यक्रमध्ये खिदमतगार सेवाभावी संस्था च्या वतीने मा. शब्बीर अहमद अन्सारी याना निवेदन द्वारे वक्फ बोर्ड च्या मिळतीलची रिकाम्या जागा मध्ये गरीब गरजू मुस्लिम छोट्या व मोठया व्यवसायीक धारकांना भाड्याने देण्यात यावा जने करुन गरीब गरजू लोकांना हातबळ मिळेल आणि उधार निवारा होईल आणि वक्फ बोर्डाच्या जागेवर कोणत्याही प्रकारची कब्जा व अतिक्रमण होणार नाही आणि सय्यद हजरत तुराबुल हाक रेहें दर्गा परिसरातील मोकळी जागा ची कम्पोड वॉल चे काम थांबविण्यात यावा त्या ऐवजी हजरत सय्यद तुराबुल हाक रेहें च्या नावाने शाळा व दवाखाना बांधण्यात यावा जने करून गरीब गरजू लोकांना शिक्षण व आरोग्य वर उपचारासाठी मदत होईल व प्रतीलिपी मध्ये वक्फ बोर्ड अधिकारी कार्यालय औरंगाबाद व वक्फ बोर्ड अधिकारी कार्यालय परभणी याना अशी मागणी खिदमतगार सेवाभावी संस्था च्या वतीने करण्यात आली यावेळी उपस्थित संस्थापकअध्याक्ष. शेख इसाक व उपाध्यक्ष. शामेर अन्सारी व सचिव. जूनेद अन्सारी, अबरार खान, इम्रान खान, शेख ऊमेर, निहाल अन्सारी, जाफर खान याच

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे sangyandristinewspaper@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। व्हाटसएप नम्बर +91–7080049049

व्हाट्सएप पर सम्पर्क के लिए
70800–49049
95824–49049
Website : www.sangyannews.com
sangyandrsitinewspaper@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

सम्पादक– प्रांजल श्रीवास्तव

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)